कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MTT–051

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (संशोधित)

(पी. जी. डी. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.टी.टी.–051 : अनुवाद : सिद्धान्त और परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या* ***9*** *अनिवार्य है। प्रश्न संख्या* ***1*** *से* ***8*** *तक किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नो के उत्तर लगभग* ***750*** *शब्दों (प्रत्येक) में तथा प्रश्न संख्या* ***9*** *में पूछी गई टिप्पणियों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***350*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. अनुवाद के अर्थ स्पष्ट करते हुए वर्तमान समय में अनुवाद की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए। 20

2. पाठ की प्रकृति के स्तर पर अनुवाद की सीमाओं एवं अननुवाद्यता की समस्या की विवेचना कीजिए। 20

3. मध्यकालीन पाश्चात्य अनुवाद सिद्धांतकारों की चर्चा कीजिए। 20

4. अरबी ग्रंथों के भारतीय भाषाओं में अनुवाद पर लेख लिखिए। 20

5. "अनुवाद एक निरपेक्ष क्रिया नहीं है।" उत्तर-औपनिवेशिकता के आलोक में इस कथन की व्याख्या कीजिए। 20

6. अनुसृजन से आप क्या समझते हैं ? मध्यकालीन भारतीय साहित्य के अनुवाद के संदर्भ में अनुसृजन की विवेचना कीजिए। 20

7. 'अनुवाद अध्ययन : एक ज्ञानानुशासन' विषय पर निबंध लिखिए। 20

8. अस्मिताओं के अनुवाद का अर्थ समझाते हुए अनुवाद में प्रतिरोध के सिद्धांत की विवेचना कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : 10×2=20

(अ) तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद का महत्व

(ब) अनुवाद में सांस्कृतिक मोड़

(स) गायत्री चक्रवर्ती स्पीवाक का अनुवाद सिद्धांत

(द) कनाडाई अनुवाद परंपरा